IMPACT STORIES FORMAT

Story Title	साहस और समर्पणयात्रा शिक्षा की हेमलता :
Date	03/09/2024
Prepared by	आशा चौहान
Name of partner Organization	गायत्री सेवा संस्थान
Name of Daksha/Daksh	हेमलता सालवी
Name of SKB centre	धावड़ा वेला
Cluster	मानपुरियों का गुड़ा
Block	लसाड़िया
District	सलुम्बर, राजस्थान

BACKGROUND/CONTEXT:

हेमलता सालवी, उम्र 20 वर्ष, गांव आरणिया, पंचायत आरणिया, ब्लॉक लसाड़िया की निवासी हैं। उन्हें 16 जुलाई 2023 को सखियों की बाड़ी केंद्र धावड़ा वेला से जोड़ा गया। यह केंद्र पहाड़ी और जंगली इलाके में स्थित है, जहां शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं का बहुत अभाव है। हेमलता प्रतिदिन 3 किलोमीटर पैदल चलकर केंद्र पर बच्चों को पढ़ाने जाती हैं। पहले इस केंद्र की देखरेख एक अन्य दक्षा बहन द्वारा की जाती थी, लेकिन उनकी शादी हो जाने के कारण हेमलता को इस जिम्मेदारी के लिए चुना गया। केंद्र पर बच्चों के साथ काम करने का मौका पाकर हेमलता बहुत उत्साहित थीं।

धावड़ा वेला एक अत्यंत दुर्गम और पिछड़ा हुआ क्षेत्र है, जहां बिजली और शिक्षा की कमी जैसी गंभीर चुनौतियाँ हैं। यहां के लोग मुख्य रूप से खेती और बकरी पालन पर निर्भर हैं, और उनके पास आय का कोई अन्य स्रोत नहीं है। ऐसे क्षेत्र में हेमलता ने शिक्षण का बीड़ा उठाया।

CHALLENGES FACED:

धावड़ा वेला फला पहाड़ों और जंगलों के बीच स्थित है, और यहाँ शिक्षा का स्तर न के बराबर था। स्थानीय लोग ज्यादातर खेती और बकरी पालन पर निर्भर थे, और बिजली, पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं भी पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं थीं। पेयजल की व्यवस्था कुओं से होती है। जब इस इलाके में सखियों की बाड़ी केंद्र की स्थापना के लिए सर्वे किया गया, तो यह पाया गया कि यहां शिक्षा के प्रति कोई जागरूकता नहीं थी।

केंद्र का संचालन अत्यंत कठिन था। मौसम की कठिनाइयां, दुर्गम रास्ते, और लोगों में शिक्षा के प्रति उदासीनता ने चुनौती बढ़ा दी थी। इन कठिनाइयों के बावजूद हेमलता ने इस जिम्मेदारी को स्वीकार किया और शिक्षा का दीप जलाने का निश्चय किया।

INTERVENTION/ACTIVITIES:

हेमलता ने अपने साहस और समर्पण से इस चुनौतीपूर्ण कार्य को हाथ में लिया। उन्हें रोजाना 3 किलोमीटर पैदल चलकर केंद्र तक पहुंचना पड़ता था, जिसमें बारिश, सर्दी, और गर्मी जैसी मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। लेकिन हेमलता ने अपनी जिम्मेदारी निभाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने बच्चों को पढ़ाने के लिए अपनी पूरी कोशिश की और विभिन्न शिक्षण तकनीकों का प्रयोग किया।

बालगीत, कविताएं, खेल-खेल में पढ़ाई, और टीचिंग लर्निंग मटेरियल्स (टीएलएम) का उपयोग कर उन्होंने बच्चों को पढ़ाई में रुचि दिलाई। धीरे-धीरे बच्चों की उपस्थिति बढ़ने लगी, और समुदाय के लोग भी हेमलता के प्रयासों का समर्थन करने लगे।

OUTCOMES:

हेमलता के समर्पण और कठिन परिश्रम का परिणाम अब सामने आने लगा है। केंद्र में बच्चों की उपस्थिति बढ़ गई है, और उनका शैक्षिक स्तर भी काफी बेहतर हो गया है। समुदाय के लोग हेमलता के प्रयासों से बेहद खुश हैं और उनके काम की सराहना करते हैं। हेमलता का यह संघर्ष और सफलता यह साबित करती है कि कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से किसी भी दुर्गम क्षेत्र में शिक्षा का उजाला फैलाया जा सकता है।

GOOD QUALITY IMAGE: - 3-4 IMAGES (Attach below)

आई-आई एफ एल
फाउंडेशन

आई-आई एफ एल
फाउंडेशन

आई-आई एफ एल
फाउंडेशन